IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 5, Issue 1, July 2025
Impact Factor: 7.67

जलवायु परिवर्तन एवं मानव भूगोल :– प्रभाव, अनुकूलन और समकालीन दृष्टिकोण

डॉ. हरीश जाटोल
सहायक आचार्य
राजकीय महाविद्यालय, सिणधरी, (बालोतरा)
डॉ. महेंद्र कुमार
सहायक आचार्य
राजकीय महाविद्यालय, सिणधरी, (बालोतरा)
लेखा राम
सहायक आचार्य
राजकीय महाविद्यालय, सिणधरी, (बालोतरा)

भूमिका (Introduction)

जलवायु परिवर्तन (Climate Change) 21वीं सदी का सबसे बड़ा वैश्विक संकट है, जिसने न केवल प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र को, बल्कि मानवीय गतिविधियों, बस्तियों और सामाजिक–सांस्कृतिक ढाँचों को भी गहराई से प्रभावित किया है। मानव भूगोल का समकालीन स्वरूप जलवायु परिवर्तन की भौगोलिक असमानताओं, सामाजिक–आर्थिक प्रभावों और अनुकूलन रणनीतियों को समझने का महत्वपूर्ण उपकरण बन चुका है।

हम सभी वर्तमान में देखा ही रहे हैं। किस प्रकार से जलवायु में परिवर्तन होने से मानव जाति पर एक बड़ा संकट गहराया हुआ है यह संकट आने वाले समय में मानव में आपसी युद्ध का कारण बनेगा। क्योंकि कहीं तटीय भाग जल मग्न हो चुके हैं कहीं जल मग्न होने की कगार पर खड़े हैं।

वहीं पर जलवायु परिवर्तन से वनस्पति का भी विनाश हो रहा है और मानव ऐसे स्थान पर निवास कर रहा है जहां के जलवायु पूर्णरूप से मानव के अनुकूल नहीं है यह वही समय वापस लौट के आ रहा है जब मानव असभ्यता और जिस प्रकार से वह जीवन यापन करता था मानव को वापस उसी स्थिति में लौटने पर विवश होना पड़ रहा है यह सब जलवायु परिवर्तन का ही प्रभाव हैं।